



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 365]
No. 365]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 18, 1984/भाद्र 27, 1906
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 18, 1984/BHADRA 27, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(विदेश कर प्रभाग)

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1984

शुद्धि-पत्र

सा.का.नि. 668(अ) :—भारत के राजपत्र के भाग II—खण्ड 3(i) के असाधारण अंक दिनांक 18 जनवरी, 1984/28 पौष, 1905 के पृष्ठ सं. 1-21 पर प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 39(अ) दिनांक 18 जनवरी, 1984 में :—

क. पृ.सं. अनुच्छेद सं.	पंक्ति संख्या	के स्थान पर	पढ़ें		
1	2	3	4	5	6
1.	2	2(2)	1	समय रूप	समरूप
2.	2	2(2)	2	अधिसमय	अधिसमय
3.	2	3(1ख)	3	चूक	चूक
4.	2	3(1ख)	4	संदर्भ देय	संदर्भ में देय
5.	2	3(1ख)	5	संबंधी	संबंधों
6.	2	3(1ज)	1	(ज)	(ग)

1	2	3	4	5	6
7.	2	3(1ज)	2	लाग	लागू
8.	2	3(1ड)	1	(ड)	(घ)
9.	2	3(1ड)	1	उद्यमय	उद्यम
10.	2	3(1ड)	2	उद्यमय	उद्यम
11.	2	3(1ड)	2	निवारी	निवासी
12.	2	3(1.ड)	3	मंचलिन	संचालित
13.	2	3(1.ड)	3	उद्यमय	उद्यम
14.	2	3(1.ड)	4	उद्यमय	उद्यम
15.	2	3(1.छ)(ii)	3	एसे	ऐसे
16.	2	4(2क)	3	हों	हो
17.	2	4(2क)	6	किया जाएगा।	किया जाएगा ;
18.	2	4(2ख)	3	गृह हो नहीं	गृह नहीं हो
19.	3	5(3घ)	1	भरने	करने
20.	3	5(5)	2	स्थापना	स्थापन
21.	3	5(8)	2	जहाँ	जब
22.	3	5(8)	4	थियेटर	थियेटर
23.	3	6(4)	1	प्रयु	प्रयुक्त
24.	4	7(1)	7	हैं।	हों।
25.	4	7(3)	5	रहती है जब	रहती जब।
26.	4	7(3)	7	पूर्णत	पूर्णतः
27.	4	7(3)	11	लांभों	लांभों
28.	4	7(5)	1	कटौतियां	कटौतियों

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
29.	4	7(5)	3	किए गए हो	निए गए हों	66.	8	21(2.क)	3	तकनीकी	तकनीकी,
30.	4	7(5)	6	कानून	कानून					व्यावसायिक	व्यावसायिक
31.	4	7(6)	1	नाम	नाम	67.	8	21(2.ख)	7	अवधि	अवधि
32.	4	7(8)	4	शामिल है।	शामिल हैं),	68.	8	21(3)	6	प्रशिक्षण	प्रशिक्षण
33.	4	9	2	वाणिज्यिक	वाणिज्यिक	69.	8	21(3)	7	संबंध में का गई	संबंध में की गई
34.	4	9	5	परन्तु उन, जहाँ	परन्तु, उन जहाँ					वैयक्तिक	वैयक्तिक
35.	5	10(2.क)	5	रखती हो।	रखती हो	70.	8	23	2	मर्दे वे	मर्दे, वे
36.	5	10(5)	7	पंशतः	अंशतः	71.	8	23	6	पर दूसरे	पर उस दूसरे
37.	5	11(5)	6	उस प्रकार	इस प्रकार	72.	8	अध्याय IV	शीर्षक	कराधान के	कराधान के
38.	5	11(7)	7	लागू होंगे ऐसे	लागू होंगे। ऐसे					उपकरण	अपाकरण
39.	5	12(3)	1	कलात्मक	कलात्मक	73.	8	24(2.क)	1	अधिसमय	अधिसमय
40.	6	13(5)	3	कानून	कानून	74.	8	24(2.क)	4	हैं, तो वे	है, तो वे
41.	6	14(3)	1-2	पद-बंध	पद-बंध					जम्बिया	जाम्बिया
42.	6	14(5)	3	राज्य हो कोई	राज्य हो, कोई	75.	8	24(2!ख)	4	विकास	विकास के प्रयोजन
43.	6	14(6)	4	सवाधों	सेवाधों						के लिए कर
44.	6	15(1)	3	कार्यकलापों	कार्यकलापों.						की किसी छूट
45.	6	15(1ख)	2	"कर-प्रभार"	"कर-प्रभार बंध"	76.	9	24(3.ख)	5	गया है।	गया है :
46.	7	16(2)	2	राज्य	राज्य	77.	9	24(3.ख. iii)	5	भारत में किसी	भारत में किसी
47.	7	16(3)	1	पराग्राफ	पराग्राफ					औद्योगिक उपक्रम	स्वीकृत विदेशी
48.	7	16(3)	2	वायुयान	वायुयान					की	बित्तीय संस्था
49.	7	17	2	असिद्ध	हैसिद्ध						द्वारा भारत में
50.	7	18	6	ऐसा	ऐसी						किसी औद्योगिक
51.	7	18	8	प्रत्यक्ष	प्रत्यक्षतः	78.	9	24(3.ख IV)	2	निवेश में छूट	निवेश छूट
52.	7	18	9	सरकार का	सरकार को	79.	9	24(3खXI)	2	लाभांशों	लाभांशों
53.	7	18	9	पर्याप्त,	पर्याप्ततः,	80.	9	अध्याय V	शीर्षक	विशेष अपबंध	विशेष उपबंध
54.	7	18(2)	2	संविदाकारा	संविदाकारी	81.	9	25(1)	5	सकती है।	सकती है।
55.	7	19	शीर्षक	सरकारी कार्य	सरकारी कार्य	82.	9	26	शीर्षक	कार्यविधि	कार्यविधि
56.	7	19(4)	2	राज्यों को	राज्यों की	83.	9	26(1)	6	नोटिस को	नोटिस की
57.	7	19(4)	3	बैंक आफ	बैंक आफ	84.	9	26(2)	5	हल कर	हल करने
58.	7	20	शीर्षक	अनुच्छेद	अनुच्छेद	85.	10	26(3)	5	सकते हैं जिनकी	सकते हैं, जिनकी
59.	7	20	शीर्षक	गैर-सरकारी	गैर-सरकारी	86.	10	26(4)	1	पूर्वों का पैरों	पूर्वोक्त पैरों
				पेंशन तथा वधि	पेंशन तथा	87.	10	26(4)	2	पत्र-व्यवहार	पत्र-व्यवहार
				क्रिया	वधिक्रिया	88.	10	27(1)	7	करों को	करों के
60.	7	20(1)	1	दूसरे	दूसरे	89.	10	27(2)	1	नेम	नेमी
61.	7	20(3)	1	"वापिक"	"वापिकी"	90.	10	27(3.ग)	2	वाणिज्यिक	वाणिज्यिक
62.	8	21	शीर्षक	तथा व्यापार	तथा व्यापार	91.	10	29(2)	3	आदान, प्रदान,	आदान-प्रदान,
63.	8	21	2	उद्देश्य	उद्देश्य						
		(1ख.ii)									
64.	8	21	2	1,500	1,500						
		(1.ख.iii) 2									
65.	8	21(2)	2	प्रथमोल्लिखित	प्रथमोल्लिखित						

[फा. सं. 11/11/85-एफ.टी.डी.]

चांद कृष्ण तिमक्, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Foreign Tax Division)

New Delhi, the 18th Sept., 1984

CORRIGENDA

G.S.R. 668(E) :—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. G.S.R. 39(E), dated the 18th January, 1984, published at pages 1 to 21 of the Gazette of India Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section(i) dated the 18th January, 1984, —

(1) at page 12,

(a) in Article 4, paragraph 2(c), line 2, for "them he" read "them, he";

(b) in Article 5, paragraph 3(a), line 3, for "tre" read "the";

(2) at page 13,

in Article 7,—

(i) paragraph 1, line 2 for "teable" read "taxable";

(ii) paragraph 4, line 4, for 'apportionment' read "apportionment";

(3) at page 14,

in Article 9, clause (b), line 5, for "State;" read "State,";

(4) at page 16,

in Article 16, paragraph 1, line 7, for "representation" read "remuneration";

(5) at page 18,

in Article 21, paragraph 3, line 4, for "particant" read "participant";

(6) at page 19,

(a) in Article 24 paragraph 3(b), line 7, for "1961." read "1961:—";

(b) in Article 25, paragraph 4, line 6, for "whier is ther" read "which is other".

[F. No. 11/11/65-FTD]

C.K. TIKKU, Jt. Secy.

